कुरान शरीफ की तिलावत

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

* मुस्लिम, रावी हज़रत नवास बिन समआन रदी.

मेने रसूलुल्लाहﷺ को फरमाते सुना कयामत के दिन कुरान और कुरान के मानने वाले जो उसपर अमल करते थे अल्लाह के पास लाये जायेंगे और सूरह बकरह और सूरह आले इमरान पूर कुरान की नुमाइन्दगी करती हुई अपने अमल करने वाले के लिये अल्लाह से सिफारिश करेंगी की ये शख्स आप की रहमत व मगफिरत का हकदार है इसलिये इस्को रहमत से नवाजा जाये.

* मिश्कात

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की ए कुरान के मानने वालो कुरान को तकिया न बनाना और रात दिन के वकतो मे उस्को ठीक

तरीके से पढना, और उस्के पढने पढाने को रिवाज देना, और उस्के शब्दो को सही तरीका से पढना और जो कुछ कुरान मे बयान हुवा है हिदायत हासिल करने की गर्ज से उसपर गौर व फिक्र करना ताकि तुम कामयाब हो. और उस्के ज़रिए दुनियावी नतीजे की ख्वाहिश न करना बल्की अल्लाह को खुश करने के लिये उस्को पढना. कुरान को तकिया न बनाना, यानी उससे गाफिल न होना, और आखिरी लफ्ज़ का मतलब ये है की कुरान का इल्म हासिल करके उस्को दुनियावी शान व शौकत और माल व दौलत हासिल करने का जरिया न बनाना, जैसा की एक हदीस मे खबर दी गयी है की कुछ लोग कुरान का इल्म हासिल करके उसे दुनिया की दौलत के हुसूल के लिये जीना बनायेगा.

* मिश्कात, रावी हज़रत अबू ज़र गिफारी रदी.

मे रसूलुल्लाहﷺ की खिदमत मे हाज़िर हुवा मेने कहा कुछ वसियत फरमायेगे, आपﷺ ने फरमाया की अल्लाह का तकवा अपनावो, ये चीज़ तुम्हारे पूरे दीन और तमाम मामलात को ठीक हालत मे रखने वाली है. मेने कहा कुछ और फरमाये,

आपﷺ ने कहा अपने को कुरान की तिलावत और अल्लाह अज़्ज़ व जल्ल के ज़िक्र का पाबन्द बनालो तो अल्लाह तुम्हे आसमान पर याद करेगा और ज़िन्दगी के अन्धेरो मे तुम्हारे लिये रौशनी का काम देगा. “अल्लाह याद करेगा” इस्का मतलब ये है की अल्लाह तुम्हे नही भूलेगा तुम्हे अपनी हिफाजत मे रखेगा. अल्लाह की याद और कुरान की तिलावत से मोमिन को रौशनी मिलती है ज़िन्दगी के अन्धेरो मे मोमिन सही राह पा लेता है.

* मिश्कात, रावी हज़रत इबने उमर रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की दिल को भी ज़ंग लगता है जैसा की लोहे को पानी से ज़ंग लगता है. पूछा गया की दिलो के ज़ंग को दूर करने वाली क्या चीज़ है? आपﷺ ने फरमाया की दिल का ज़ंग इस तरह दूर होता है की आदमी मौत को बहुत याद करे, और दूसरे ये की कुरान की तिलावत करे. “मौत को याद करने” का मतलब ये है की आदमी ये सोचे की ज़िन्दगी की मोहलत बस एक ही मोहलत है, दोबारा अमल करने के लिये मोहलत न मिलेगी और तिलावत के मतलब है कुरान के

शब्दो को सही तरीके से पढना और उसमे जो कुछ बयान हुवा है उसे समझना और उसपर अमल करना. कुरान और हदीस मे जहा भी इस शब्द का पूरा मफहूम बयान हुवा है यही बयान हुवा है बल्की एक और मफहूम मे आता है यानी ये की कुरान की तबलीग (प्रचार) करे उसे दूसरो तक पोहचाये.